Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 21 अक्तूबर, 2023

रीजनल रैपिड ट्रांज़िट सिस्टम (RRTS)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने **राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र** (NCR) में **रीजनल रैपिड ट्रांज़िट सिस्टम** (RRTS) के पहले चरण का उद्घाटन किया, जिसे नमो भारत भी कहा जाता है, यह **क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिये समर्पित भारत का पहला मास रैपिड सिस्टम** है।

- RRTS **180 किमी./घंटा तक की गति से चलने में सक्षम** है।
- **रेल मंत्रालय ने वर्ष 1998-1999 में इस प्रकार के परिवहन नेटवर्क के निर्माण के संबंध में एक अध्ययन किया था**, वह RRTS के निर्माण की आवश्यकता को रेखांकित करने वाला पहला अध्ययन था। वर्ष 2006 में कुछ NCR शहरों में **दिल्ली मेट्रो लाइनों के विस्तार के साथ इस प्रस्ताव** पर पुनर्विचार किया गया था।

RRTS राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के भीतर **मौजूदा परिवहन केंद्रों पर मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी को बढ़ाने** के अतिरिक्त विभिन्न तरीकों से परिवहन के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव करने पर केंद्रित है।

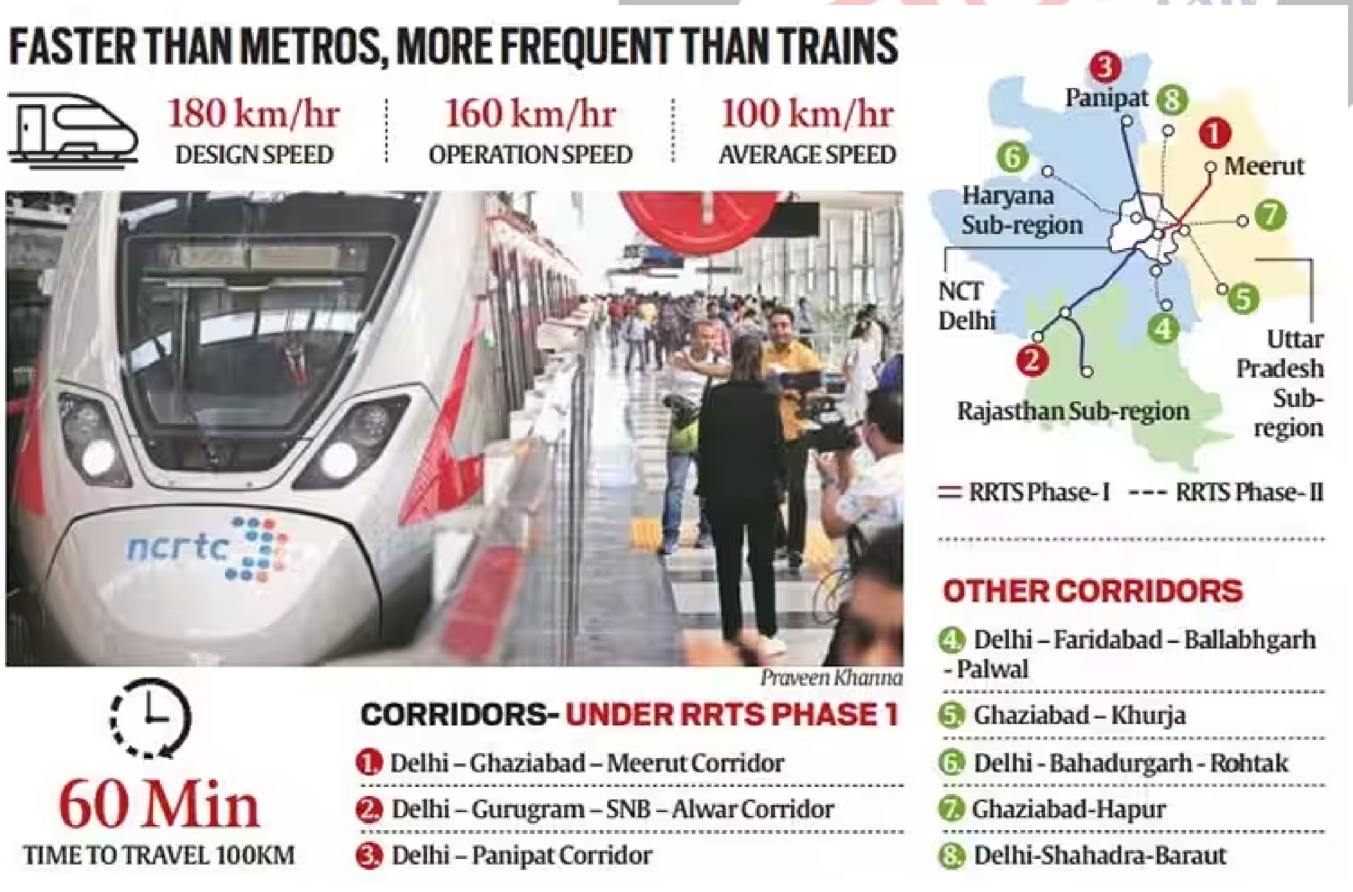

//

और पढ़ें...पीएम गतिशक्ति योजना, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर

महसा अमीनी यूरोपीय संघ के शीर्ष मानवाधिकार पुरस्कार से सम्मानित

वर्ष 2022 में ईरान में पुलिस हिरासत में मरने वाली 22 वर्षीय कुर्द-ईरानी महिला महसा अमीनी को **यूरोपीय संघ के शीर्ष मानवाधिकार पुरस्कार से सम्मानित किया गया** है, जिसने **ईरान की रूढ़िवादी इस्लामी धर्मतंत्र के खिलाफ समग्र विश्व में विरोध प्रदर्शन** शुरू कर दिया था।

- कथित तौर पर ईरान के **हेडस्कार्फ के अनिवार्य कानून** की अवज्ञा करने के आरोप में गिरफ्तार किये जाने के बाद अमीनी की मृत्यु हो गई। इसके चलते **महिलाओं के नेतृत्व में** एक आंदोलन शुरू हुआ तथा विश्व **"वुमेन, लाइफ, लिबर्टी"** (Women, Life, Liberty) के नारों से गूँज उठा।
    - इस वर्ष (2023) इस पुरस्कार के दावेदारों में **विल्मा नुनेज डी एस्कोर्सिया** और **रोमन कैथोलिक बिशप रोलैंडो अल्वारेज़** शामिल थे जिन्होंने निकारागुआ में मानवाधिकारों की रक्षा के लिये संघर्ष किया था। इनके अलावा **पोलैंड, अल सल्वाडोर और संयुक्त राज्य अमेरिका** की तीन महिलाएँ भी शामिल थीं जो ''निशुल्क, सुरक्षित और कानूनी गर्भपात'' के लिये लड़ाई का नेतृत्व कर रही हैं।
- **यूरोपीय संघ पुरस्कार**, जिसका नाम **सोवियत डिसीडेंट आंद्रेई सखारोव** के नाम पर रखा गया था, वर्ष 1988 में मानवाधिकारों तथा मौलिक स्वतंत्रता की रक्षा करने वाले व्यक्तियों अथवा समूहों को सम्मानित करने के लिये स्थापित किया गया था। **नोबेल शांति पुरस्कार** विजेता सखारोव का निधन वर्ष 1989 में हुआ।
- विगत वर्ष का पुरस्कार **यूक्रेन के लोगों तथा उनके प्रतिनिधियों** को जारी युद्ध के दौरान उनकी बहादुरी एवं **रूस के आक्रमण के प्रतिरोध** के लिये दिया गया था।

और पढ़ें... विश्व मानवाधिकार दिवस, मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-21-october-2023